आकाशवाणी पोर्ट ब्लेयर

दिनांक : 31.12.2024 समय : 0705

<><><><><><><><>

- इसरो ने सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से SPADEX मिशन को सफलतापूर्वक लॉन्च किया।
- अंडमान निकोबार द्वीपसमूह में ऐतिहासिक प्रथम ध्वजारोहण की स्मृति में कल अंडमान क्लब में कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- नेताजी द्वारा श्री विजयपुरम में तिरंगा फहराए जाने की स्मृति में छोलदारी में दो जनवरी से आज़ाद हिन्द मेला का आयोजन किया जाएगा।
- पत्तन पोत परिवहन और जलमार्ग राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर ने कल राज निवास में उप–राज्यपाल एडमिरल डी के जोशी से मुलाकात की।
- केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने कल नई दिल्ली में बजट पूर्व परामर्श के तहत छठीं बैठक की अध्यक्षता की।

<><><><><><><><>

इसरो SPADEX मिशन के रूप में जाना जाने वाला अपना 'स्पेस डॉकिंग परीक्षण' प्रक्षेपण यान पीएसएलवी–सी 60 से श्री हरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से सफलतापूर्वक लॉन्च किया। चेजर के नाम से जाना जाने वाला एसडीएक्स–01 और टारगेट के नाम से जाना जाने वाला एसडीएक्स–02 जैसे दो उपग्रहों को पचपन डिग्री झुकाव पर चार सौ सत्तर किमी की वृत्ताकार कक्षा में स्थापित किया जाएगा, जिसका स्थानीय समय चक्र लगभग छियासठ दिन का होगा। टारगेट और चेज़र दोनों उपग्रहों को दस से बीस किलोमीटर की दूरी पर एक ही कक्षा में स्थापित किया जाएगा।

<><><><><><><><>

अंडमान निकोबार द्वीपसमूह में ऐतिहासिक प्रथम ध्वजारोहण की स्मृति में कल अंडमान क्लब में कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण है, जब इस द्वीपसमूह पर पहली बार राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया था, जो देश के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान स्वतंत्रता और एकता की भावना का प्रतीक है। इस अवसर पर दक्षिण अंडमान ज़िला उपायुक्त अर्जुन शर्मा ने नेताजी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में प्रशासन के अधिकारियों, स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्रीय सेवा के सदस्यों और आम जनता ने भी अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

समारोह के दौरान प्रथम ध्वजारोहण के ऐतिहासिक महत्व और भारत की स्वतंत्रता में योगदान देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा किए गए बलिदानों पर प्रकाश डाला गया। राष्ट्र के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले लोगों की स्मृति में मौन रखा गया। ये दिन भारत के स्वतंत्रता संग्राम में द्वीपसमूह की स्थायी विरासत की याद दिलाता है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने दिसंबर उन्नीस सौ तैंतालीस में अपनी ऐतिहासिक यात्रा के दौरान द्वीपों को औपनिवेशिक शासन से आज़ादी पाने वाला पहला भारतीय क्षेत्र घोषित किया था और तिरंगा फहराया था। यह आयोजन हर वर्ष नागरिकों में देशभक्ति और सामूहिक गौरव की भावना को प्रेरित करता है तथा स्वतंत्रता और एकता के मूल्यों के प्रति श्रद्धांजलि के रूप में कार्य करता है, जो भारत को एक राष्ट्र के रूप में परिभाषित करते हैं।

<><><><><><><>

शहीद स्वराज फाउंडेशन द्वारा तेरहवीं शहीद स्वराज द्वीपसमूह नमन यात्रा का आयोजन किया गया। सुरक्षा जागरण मंच के मार्गदर्शक इंद्रेश कुमार के नेतृत्व में यह यात्रा तीस दिसंबर उन्नीस सौ तैंतालीस को नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वारा भारत की भूमि पर पहली बार तिरंगा फहराने की ऐतिहासिक याद में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में भारत के विभिन्न राज्यों से लगभग साठ देशभक्तों सहित स्थानीय द्वीपवासी भी भाग लिया। यात्रा की शुरुआत श्री विजयपुरम के चिन्मय मिशन से हुई, जहाँ राष्ट्रीय सुरक्षा, देशभक्ति और भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास पर केंद्रित एक सेमिनार आयोजित किया गया। सेमिनार में राष्ट्र की विरासत को संरक्षित करने में एकता और सामूहिक कार्रवाई के महत्व को दर्शाया गया। कल अंडमान क्लब में नेताजी सुभाष चंद्र बोस और भारत के सभी स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को सम्मानित करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में देशभक्ति, बलिदान और एकता के आदर्शों पर प्रकाश डाला गया। इंद्रेश कुमार ने अपने संबोधन में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के बलिदान के महत्व और भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में तीस दिसंबर के ऐतिहासिक महत्व पर जोर दिया। इस दिन उन्नीस सौ तैंतालीस में, नेताजी ने श्री विजय पुरम में जिमखाना मैदान, जिसे अब नेताजी स्टेडियम के रूप में जाना जाता है, में पहली बार तिरंगा फहराया था। इस अधिनियम ने द्वीपसमूह को औपनिवेशिक शासन से मुक्त होने वाला पहला भारतीय क्षेत्र घोषित किया।

इस अवसर पर शहीद स्वराज फाउंडेशन, अंडमान निकोबार चैप्टर के अध्यक्ष गिरीश अरोड़ा ने कहा कि शहीद स्वराज फाउंडेशन राष्ट्रीय जागरूकता को बढ़ावा देने और नेताजी सुभाष चंद्र बोस और अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को श्रद्धांजलि देती है, जिनके बलिदान ने देश की स्वतंत्रता को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

<><><><><><><>

नेताजी सुभाषचन्द्र बोस द्वारा श्री विजयपुरम में तिरंगा फहराए जाने की स्मृति में छोलदारी के विवेकानन्द मैदान में दो जनवरी से आज़ाद हिन्द मेला का आयोजन किया जाएगा। आठ जनवरी तक चलने वाले इस मेले के दौरान नेताजी और आज़ाद हिन्द फौज पर जानकारी प्रदान करने के लिए पोस्टर प्रदर्शित की जाएगी। प्रतिदिन शाम के समय सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन भी किए जाएंगे।

<><><><><><><>

पत्तन पोत परिवहन और जलमार्ग राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर ने अपने द्वीपसमूह दौरे के दौरान कल राज निवास में उप–राज्यपाल एडमिरल डी के जोशी से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान उप–राज्यपाल ने राज्यमंत्री को द्वीप विकास एजेंसी के माध्यम से संचालित पोत परिवहन और पत्तन के क्षेत्रों में प्रशासन की विभिन्न सामरिक परियोजनाओं की स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने इंडो–पैसेफिक में क्षेत्रीय पोत निर्माण और मरम्मत केन्द्र के रूप में द्वीपसमूह को विकसित करने, ग्रेट निकोबार द्वीप में अंतर्राष्ट्रीय कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल, अटलांटा बे में डीप वाटर पोर्ट जैसे मुद्दों पर चर्चा की।

<><><><><><><>

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने कल नई दिल्ली में बजट पूर्व परामर्श के तहत छठीं बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र के विशेषज्ञों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में वित्त सचिव, आर्थिक कार्य मंत्रालय के सचिव, सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार तथा स्वास्थ्य और स्कूली शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इससे पहले कल ही वित्त मंत्री ने उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की अध्यक्षता की। वित्त वर्ष दो हजार पच्चीस–छब्बीस का केन्द्रीय बजट अगले वर्ष पहली फरवरी को पेश किए जाने की संभावना है। वित्त मंत्री सीतारामन लगातार आठवीं बार बजट प्रस्तुत करेंगी।

<><><><><><><>

भारतीय रिजर्व बैंक– आरबीआई के नवनियुक्त गवर्नर, श्री संजय मल्होत्रा ने दो हजार पच्चीस में भारत के आर्थिक परिदृश्य के बारे में आशावादी दृष्टिकोण व्यक्त किया है। दिसंबर दो हजार चौबीस की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट– एफ एस आर की प्रस्तावना में, श्री मल्होत्रा ने कहा कि मुद्रास्फीति घटने की उम्मीद है, जिससे लोगों की क्रय शक्ति बढ़ेगी और रिजर्व बैंक को आर्थिक गतिविधियों को समर्थन देने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष दो हजार चौबीस–पच्चीस की पहली छमाही में भले ही मंदी देखी गई, लेकिन उपभोक्ता और व्यवसायियों का विश्वास मजबूत बना हुआ है। दो हजार पच्चीस में बडी कम्पनियां मजबूत वित्तीय आधार के साथ प्रवेश कर रही हैं। हालाँकि, उन्होंने भौगोलिक–राजनीतिक जोखिमों, वित्तीय बाज़ार की अस्थिरता और उभरती प्रौद्योगिकियों के बारे में भी आगाह किया। एफ एस आर ने भारत के वित्तीय क्षेत्र की मजबूती का भी उल्लेख किया।

<><><><><><><>